1	2	3
Air India Employees' Union (AIEU), Delhi	Unrecognised	Not Known
Air India Hostesses' Associaiton (AIHA)	Unrecognised	Not Known
Air Line Pilots' Association (ALPA)	Unrecognised	Not known

भारत पर्यटन विकास निगम के अन्तर्गत आने वाले एककों के गैर-योजना व्यय में वृद्धि

980. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल** : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) क्या पिछले तीन वर्षो के दौरान भारत पर्यटन विकास निगम के अंतर्गत आने वाले एककों/विभागों के गैर योजना व्यय में वृद्धि हुई हैं:

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं;

(ग) क्या उक्त व्यय को कम करने के लिए भारत पर्यटन विकास निगम के प्रबंधन द्वारा कोई ठोस कदम उठाए गये हैं:

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं; और

(ड.) वर्ष 1995-96 के दौरान उक्त व्यय में कितनी कमी करने का लक्ष्य रखा गया हैं?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी, नहीं। पिछले वर्षो की तुलना में भारत पर्यटन विकास निगम के व्यवसाय के प्राचलन व्यय की प्रतिशत्ता में कमी आई हैं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) और (घ) व्यय को नियंत्रित और कम करने हेतु भारत पर्यटन विकास निगम द्वारा किए गए/किए जा रहे उपायों में नियंत्रण और पर्यवेक्षण का सुदृढ़ीकरण , कम्प्यूट्राइज्ड बिल्लिंग मशीनों की स्थापना करना, विभिन्न परिचालन क्षेत्रों में किफायत बरतना आदि शामिल हैं।

(ड.) 1995-96 के दौरान भारत पर्यटन विकास निगम, जहां तक सम्भव होगा, परिचालन व्यय को सीमित करने का प्रयास करेगा।

राष्ट्रीयकृत बैंकों में जालसाजी की घटनाएं

981. **श्री राम जेठमलानी** :

श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पिछले तीन वर्षो के दौरान देश में राष्ट्रीयकृत बैंकों में जालसाजी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के दौरान पृथक रूप से बैंकवार ऐसी कितनी-कितनी घटनाएं हुई हैं;

(ग) जालसाजी की उक्त घटनाएं किन-किन राष्ट्रीयकृत बैंकों में हुई और उक्त वर्षो के दौरान प्रत्येक बैंक में हुई ऐसी घटनाओं की संख्या क्या हैं;

(घ) उक्त घटनाओं के लिए कितने बैंक कर्मचारियों को जिम्मेदार पाया गया और इन घटनाओं से कितनी वित्तीय हानि हुई और क्या उक्त कर्मचारियों से धनराशि भी वसूल की गयी ; और

(ड.) यदि हां. तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं?

वित्त मंत्री (श्री मनमोहन सिंह) : (क) से (ड.) राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा भारतीय बैंक को सूचित किये गये अनुसार वर्ष 1992, 1993 और 1994 के दौरान धोखाधड़ियों (जालसाजियों सहित) की बैंक-वार संख्या संलग्न विवरण में दी गई हैं (नीचे देखिये) इन धोखाधड़ियों में अन्तर्ग्रस्त राशि वर्ष 1992 के दौरान 13425.38 लाख रू.+एफ.एस. 1500, वर्ष 1993 के दौरान 30159.76 लाख रू. और वर्ष 1994 के दौरान 16311.71 लाख रू.+यू.एस.एच. 9844000 हैं। इन धोखाधाड़ियों के मामलों के अंतर्ग्रस्त राशियों से अनिवार्य

रूप से उन वास्तविक घाटों का पता नहीं चलता जो अंततः बैंक को उठाना पड़ सकता हैं। आम तौर पर बैंक उनके द्वारा दिये गये अग्रिमों को कवच प्रदान करने के लिये कुछ प्रतिभूतियां रखते हैं। बैंक सिविल और आपराधिक मुकदमें भी दायर करते हैं और उचित राहत

की मांग करते हैं। इसके अतिरिक्त बैक बीमा कवच भी प्राप्त करते हैं।

वर्ष 1992, 1993 और 1994 के दौरान धोखाधड़ियों के लिये चूककर्ता कर्मचारियों के विरूद्व की गई कार्रवाई निम्नानुसार हैं:-

विवरण

(**आंकड़े अनंतिम**)

बैंक का नाम	**वर्ष के दौरान धोखाधड़ियो के मामले की संख्या**		
	1992	1993	1994
इलाहाबाद बैंक	38	33	39
आन्ध्रा बैंक	41	66	25
बैंक आफ बड़ौदा	70	139	159
	05*	12*	15*
बैंक आफ इंडिया	154	168	215
	06*	16*	11*
बैक आफ महाराष्ट्र	31	22	50
केनरा बैंक	140	259	217
सेंट्रल बैंक आफ इंडिया	50	85	130
कारपोरेशन बैंक	14	31	38
देना बैंक	32	20	22
इंडियन बैंक	65	41	60
इंडियन ओवरसीज बैंक	83	75	71
न्यू बैंक आफ इंडिया	25	29	-
ओरियंटल बैंक आफ कामर्स	06	22	14
पंजाब नेशनल बैंक	54	88	118
पंजाब एंड सिंध बैंक	06	21	17
सिंडिकेट बैंक	96	139	103
यूनियन बैंक आफ इंडिया	44	61	39
नुनाइटेड बैंक आफ इंडिया	26	50	43
यूको बैंक	39	35	58
विजया बैंक	-	04*	-
	38	-	32
कुल	1063	33	1476
		1449	

Functioning of UTI

982. SHRI V. RAJAN CHELLAPPA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a" fact that Unit Trust of India is behaving in a disorderly manner in its share purchase operations;

(b) whether it is necessary to supervise